(ग) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी वेंकट स्वामी) : (क) जी नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते ।

पटसन मिलों का गैर-सरकारीकरण

341. **श्री अजीत जोगी** : क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार सरकारी क्षेत्र की कतिपय पटसन मिलों के गैर-सरकारीकरण का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है ;

(ग) इन पटसन मिलों के गैर-सरकारीकरण से कितने कर्मकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का अनुमान लगाया गया है ; और

(घ) उक्त कर्मकारों के हितों की रक्षा हेतु क्या वैकल्पिक कदम उठाए गए हैं ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) : (क) जी नहीं ।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठते ।

धागे के मूल्यों में वृद्धि

342. **श्रीमती सुषमा स्वराज** :
श्री राम जेठमलानी :

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 20 जनवरी, 1995 के "टाइम्स आफ इंडिया" में "हाइक इन यार्न प्राइसेज रेन्डर्स वीवर्स आइडल" नामक शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां तो क्या यह सच है कि हथकरघा उद्योग द्वारा उपयोग किए जाने वाले सूती धागे के मूल्यों में नवम्बर, 1993 से लेकर अब तक लगभग शत प्रतिशत वृद्धि हो चुकी है ;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में सच्चाई क्या है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि हथकरघा उद्योग के बुनकरों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से बुनकरों को लाभ नहीं हो रहा है ; और

(ङ) देश के विभिन्न क्षेत्रों में फैले असंगठित हथकरघा उद्योग में कार्यरत बुनकरों को सरकारी सुविधाएं प्रदान किए जाने हेतु क्या-क्या प्रबंध किए गए हैं, साथ ही उन स्तरों का ब्यौरा क्या है जिनमें ये प्रबंध किए गए हैं ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) : (क) जी हां ।

(ख) और (ग) हथकरघा उद्योग में प्रयोग होने वाले सूती हैंक यार्न के मूल्यों में नवम्बर, 1993 से अप्रैल 1994 के दौरान वृद्धि हुई और मई 1994 से अक्तूबर, 1994 के दौरान इसके मूल्य लगभग स्थिर रहे । इसके उपरांत कपास के मूल्यों में हुई वृद्धि के कारण सूती हैंक यार्न के मूल्यों मे वृद्धि हुई । तथापि नवम्बर, 1993 से आज तक यह वृद्धि 100 प्रतिशत नहीं थी । सूती हैंक यार्न के मूल्यों का काऊंट और महावार विवरण अनुपत्र के रूप में संलग्न है । [**देखिए परिशिष्ट** 173, अनुपत्र स० 7]

(घ) जी नहीं ।

(ङ) हथकरघा सहकारिताओं में उपलब्ध विभिन्न योजनाओं का लाभ बुनकरों को देने के उद्देश्य से भारत सरकार असंगठित हथकरघा क्षेत्र में कार्य कर रहे बुनकरों को सहकारी क्षेत्र में लाने के लिए वर्ष 1993-94 से हथकरघा, विकास के